हिंदी विभाग

कमला नेहरू कॉलेज के हिंदी साहित्य परिषद् के तत्वावधान में 21 फरवरी 2013 को अंतर्महाविद्यालय मौलिक कविता पाठ प्रतियोगिता तथा 22 फरवरी 2013 को अंतर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 21 फरवरी के इस आयोजन के निर्णायक मंडल में दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अनीता, प्रसिद्ध आलोचक और साहित्यकार डॉ वीरेन्द्र सक्सेना तथा रामलाल आनंद कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ बलराज थे। इस प्रतियोगिता में चल वैजयंती गार्गी कॉलेज के पास गई। प्रथम पुरस्कार भारती कॉलेज की अर्चना ने, द्वितीय पुरस्कार गार्गी कॉलेज की मंजु ने और तृतीय पुरस्कार गार्गी कॉलेज की ही मेघा ने प्राप्त किये।

22 फरवरी, 2013 को वाद-विवाद प्रतियोगिता के आयोजन के निर्णायक मंडल में कमला नेहरू कॉलेज की अवकाश प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर श्रीमती सरोज सक्सैना, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. श्यौराज सिंह 'बेचैन' और पत्रकार श्री मनीष शर्मा थे। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार गार्गी कॉलेज की संध्या को, द्वितीय पुरस्कार कमला नेहरू कॉलेज की कोनिका कपूर को तथा तृतीय पुरस्कार लेडी श्रीराम कॉलेज की मृणालिका राठौर को दिये गये। चल वैजयंती गार्गी कॉलेज की संध्या और राफ़िया सिद्दिकी को दी गई।

5 अप्रैल 2013 को कमला नेहरू कॉलेज के हिंदी साहित्य परिषद् ने 'सांस्कृतिक संक्रमण और नौवें दशक के बाद के उपन्यास' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ आलोचक प्रो. नित्यानंद तिवारी थे, जिन्होंने अपने व्याख्यान में नौवें दशक के बाद के उपन्यासों के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। बीज वक्तव्य प्रसिद्ध साहित्यकार और कमला नेहरू कॉलेज की अवकाश प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मंजु गुप्ता ने दिया। प्रथम सत्र के अध्यक्ष वरिष्ठ आलोचक प्रो. कृष्णदत्त पालीवाल थे। इस सत्र के वक्ताओं में जामिया मिलिया विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष और प्रसिद्ध साहित्यकार प्रो. अब्दुल बिस्मिल्लाह, हिंदू कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रसिद्ध आलोचक डॉ रामेश्वर राय तथा अंबेडकर यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सत्यकेतु सांकृत थे। दूसरे सत्र की अध्यक्षता विश्व प्रसिद्ध लेखिका श्रीमती चंद्रकांता ने की। इस सत्र में वक्ता के रूप में प्रो.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव तथा प्रो. श्यौराज सिंह 'बेचैन' थे। इस संगोष्ठी में नौवें दशक के बाद के उपन्यासों में सांस्कृतिक संक्रमण के कारण आए बदलावों, वैश्वीकरण के कारण उपन्यासों की दिशाओं तथा स्त्री उपन्यासकारों एवं दलित लेखकों के लेखन पर विस्तार से गंभीर एवं सारगर्भित चर्चाएँ हुईं। इस अवसर पर विभिन्न कॉलेजों की प्राध्यापिकाएँ, छात्र-छात्राएँ तथा शोधार्थी भी काफ़ी संख्या में उपस्थित थे।

22 अप्रैल 2013 को जलपान एवं पुरस्कार वितरण के साथ हिंदी साहित्य परिषद् का समापन समारोह संपन्न हुआ। इसमें पुरस्कार प्राप्त करने वाली छात्राओं के नाम इसप्रकार हैं-

सर्वश्रेष्ठ छात्रा- सिंथिया जॉनसन (हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष)

सक्रिय योगदान- जॉन्सी (हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष)

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता- अन्नु भडाना, पूनम पारिख(हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष)

सक्रिय योगदान- शालिनी झा (हिंदी विशेष, द्वितीय वर्ष)

अंतःकक्षा हिंदी नाटक प्रतियोगिता-

प्रथम पुरस्कार- सिंथिया जॉनसन (हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष)

द्वितीय पुरस्कार- रेखा (हिंदी विशेष, प्रथम वर्ष)

सृजन पुरस्कार -

प्रथम पुरस्कार- अंजना (हिंदी विशेष, प्रथम वर्ष)

द्वितीय पुरस्कार- मनचंदा (हिंदी विशेष, प्रथम वर्ष)

वाद विवाद प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार- कोनिका कपूर (बी.कॉम विशेष, तृतीय वर्ष)

द्वितीय पुरस्कार- वंदना शर्मा (हिंदी विशेष, प्रथम वर्ष)

समापन समारोह के अंत में हिंदी विभागाध्यक्षा श्रीमती कांति मीणा ने छात्राओं को वार्षिक गतिविधियों से अवगत कराया तथा विभाग की वरिष्ठतम प्राध्यापिका डॉ शशि खुल्बे ने छात्राओं को आशीर्वचन देकर भविष्य में आगे बढ़ने की सलाह दी। इसी के साथ हिंदी साहित्य परिषद् समारोह का समापन हुआ।

24 जुलाई को 2013-2014 सत्र का आरंभ हुआ। इस नये सत्र में हिंदी विभाग में प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर के लिए 67 छात्राओं ने प्रवेश प्राप्त किया।

हिंदी विभाग की छात्राओं का वार्षिक परिणाम अच्छा रहा। तृतीय वर्ष में 40 छात्राओं में से 13 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं। सर्वाधिक अंक शिल्पी कौशिक ने प्राप्त किये। द्वितीय वर्ष में 65 छात्राओं में से 24 छात्राएँ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं। सर्वाधिक अंक निशा ने प्राप्त किये। प्रथम वर्ष में 61 छात्राओं में से 34 छात्राएँ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं। सर्वाधिक अंक जागृति कुमारी ने प्राप्त किये।

हिंदी साहित्य परिषद् के कार्यक्रमों का आरंभ 26 सितंबर 2013 से हुआ। हिंदी विभाग द्वारा हिंदी फाउंडेशन कोर्स के लिए अर्द्धदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में दिल्ली विश्वविद्यालय के वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर और साहित्यकार प्रो. राजेन्द्र गौतम ने पावर प्वांयट प्रेजेंटेशन के द्वारा फाउंडेशन कोर्स की सभी इकाइयों के दूरगामी उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और इन्हें रोचक बनाकर पढ़ाने के तरीकोंपर सारगर्भित व्याख्यान दिया। इस प्रेजेंटेशन में डाक्यूमेंट्री फ़िल्मों, आवाज़ की रिकॉर्डिंग, हिंदी फ़िल्मों के कुछ अंशों, कविताओं, हिंदी सिनेमा के गीतों आदि का प्रयोग किया गया। इस कार्यशाला में हिंदी की सभी अध्यापिकाओं और फाउंडेशन कोर्स की सभी छात्राओं में भाग लिया। इस कार्यशाला में छात्राओं ने कई प्रश्न किये और हिंदी फ़ॉन्ट संबंधी अपनी ज़िज्ञासा का समाधान भी किया।

7 अक्तूबर 2013 को हिंदी विभाग द्वारा आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी विशेष के प्रथम वर्ष की सभी छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को समसामयिक विषयों के प्रति जागरुक करना, उनके विज़न को व्यापक बनाना, उनकी अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करना तथा आसपास के परिवेश के प्रति उन्हें सजग करना था। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ भारती, डॉ अनुराधा गुप्ता और श्रीमती अलका रानी थीं। इसमें पुरस्कार प्राप्त छात्राओं के नाम इस प्रकार हैं-

प्रथम पुरस्कार- भारती, द्वितीय पुरस्कार- शिखा, तृतीय पुरस्कार -सोनी, सांत्वना पुरस्कार- शशि और गरिमा